धर्म परविर्तन के बाद परीक्षा और समस्याएं (2 का भाग 1): जीवन की कठिनाइयों में अल्लाह की दया होती है

रेटिंग:

विवरण: ?? ????????? ????? ?? ?????? ?????? ?? ??? ???? ???? ??? ??????? ?????? ???? ?? ????? ???-??? ???? ?? ?????? ?? ??????? ??? ??? ???? ???

श्रेणी: पाठ > सामाजिक बातचीत > परविर्तन का मुकाबला

द्वारा: Aisha Stacey (© 2012 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

- यह समझना कि इस्लाम में धर्मांतरण के बाद ऐसा क्यों लगता है कि कई लोगों को बड़ी परीक्षाओं और समस्याओं से परखा जाता है।

अरबी शब्द:

- *?????* - "सहाबी" का बहुवचन, जिसका अर्थ है पैगंबर के साथी। एक सहाबी, जैसा कि आज आमतौर पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह है जिसने पैगंबर मुहम्मद को देखा, उन पर विश्वास किया और एक मुसलमान के रूप में मर गया।

- *????* - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

इस्लाम अपनाना आमतौर पर किसी व्यक्ति के जीवन के सबसे महान दिनों में से एक होता है। जीवन आशावादी हो जाता है, आप बड़ा, बेहतर और मजबूत महसूस करते हैं। आप अत्यधिक उत्साहित महसूस करते हैं। हम में से बहुत से लोग बस जोर-जोर से चिल्लाना चाहते हैं। कुछ भाग्यशाली लोग होते हैं जो मित्रों और परिवार के साथ होते हैं, अन्य अपने घर या यहां तक कि सिर्फ अपने शयनकक्ष के एकांत में इस्लाम अपनाते हैं। अन्य लोग अभी भी खोये होते हैं, अकेले या बेघर। लेकिन अब आप एक मुस्लिम हो, विश्वव्यापी भाईचारे का

एक हिस्सा; एक परिवार का हिस्सा। कई लोगों के लिए यह पहली बार है कि उन्होंने खुद को किसी चीज का हिस्सा महसूस किया हो। कुछ समय के लिए या एक नए वास्तविक जीवन की लंबी प्रस्तावना के लिए, सब कुछ सही होता है। लेकिन कुछ समय बाद वास्तविकता सामने आती है, और यह हम में से प्रत्येक के लिए अलग होता है।

विजियोल्लास के साथ-साथ परीक्षा और समस्या भी आती है। बेशक यह केवल इस्लाम स्वीकार करने वाले व्यक्ति के लिए नही बल्कि उसके दोस्तों, परिवार और सहयोगियों के लिए भी एक बड़ा कदम है, एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। कभी-कभी ऐसा लग सकता है कि सब कुछ बहुत जल्दी हो रहा है, लेकिन अन्य समय में और अन्य लोगों को ऐसा लग सकता है कि वो जल्दी से पर्याप्त नहीं सीख पा रहे हैं और परीक्षा और समस्या आपकी नई मिली हुई खुशी को कुचलते हुए प्रतीत होते हैं। एक व्यक्ति सोच सकता है कि जब उसने जीवन की वास्तविकता को देखा और पूरे दिल से अल्लाह और इस्लाम को स्वीकार कर लिया है, तो अल्लाह उसकी परीक्षा क्यों ले रहा है। ऐसी स्थिति में यह समझना सहायक होता है कि क्यों एक विश्वासी परीक्षणों और समस्याओ से पीड़ित है, और क्यों अत्यधिक आनंद के साथ-साथ उदासी और अप्रत्याशित परेशानी भी आ सकती है।

यहां पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व हमारे शाश्वत निवास के रास्ते में एक क्षणिक पड़ाव के अलावा और कुछ नहीं है। जब कोई वास्तव में इस तथ्य का अर्थ समझता है और ग्रहण करता है, तो यह हमारे परीक्षणों और समस्याओ पर एक अलग प्रकाश डालता है। कल्पना कीजिए कि आप एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हैं और पारगमन में घर लौटने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। कभी-कभी समय जल्दी से आसानी से बीत जाता है, लेकिन कभी-कभी देरी होती है, उड़ानें रद्द होती है, सेवा कर्मचारी खराब और हवाई अड्डे का भोजन खराब होता है। आपका जो भी अनुभव हो, समय बीत जाता है और अंत में आप इसके आदि हो जाते हैं। जब आप पीछे मुड़कर उस अनुभव को देखते हैं तो यह एक आसान यात्रा में एक अस्थायी समस्या जैसा लगता है, लेकिन उस समय यह बहुत बड़ी परेशानी थी। इस धरती पर यह जीवन कुछ ऐसा ही है।

“तथा हम अवश्य कुछ भय, भूक तथा धनों और प्राणों तथा खाद्य पदार्थों की कमी से तुम्हारी परीक्षा लेंगे और धैर्यवानों को शुभ समाचार सुना दो।” (क़ुरआन 2:155)

“और नहीं है ये सांसारिक जीवन, किन्तु मनोरंजन और खेल और परलोक का घर ही वास्तविक जीवन है। क्या ही अच्छा होता, यदि वे जानते!” (क़ुरआन 29:64)

इन परीक्षणों और समस्याओं के पीछे ज्ञान है जिनसे अल्लाह हमारी परीक्षा लेता है, और यह जानकर सुकून मिलता है कि वे एक क्रूर असंगठित ब्रह्मांड के यादृच्छिक कार्य नहीं हैं। हमारा अस्तित्व एक सुव्यवस्थित दुनिया का हिस्सा है, एक ऐसी दुनिया जिसे अल्लाह ने हमारे आनंद के लिए

बनाया है। हालांकि यह स्थान सिर्फ सांसारिक सुखों से कहीं अधिक है। ये वो स्थान है जहां हम अपने सच्चे उद्देश्य को पूरा करते हैं जो कि अच्छे समय और बुरे समय में अल्लाह की पूजा करना है। इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि अल्लाह जो भी करता है वो आस्तिक के लिए भलाई के आलावा कुछ भी नही है। कोई व्यक्ति किसी चीज़ को बुरा समझता है, लेकिन वास्तव में उसके लिए वो बहुत अच्छा हो सकता है। पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने कहा, "आस्तिक के मामले कितने अद्भुत हैं, क्योंकि वे सभी उसकी भलाई के लिए हैं। अगर उसके साथ कुछ अच्छा होता है, तो वह अल्लाह का शुक्र करता है और यही उसके लिए अच्छा है। अगर उसके साथ कुछ बुरा होता है, तो वह इसे धैर्य से सहता है और यह भी उसके लिए अच्छा है।"[1]

अल्लाह हमें जीवन की परीक्षाओं और समस्याओं से परखता है, और यदि हम इन्हें धैर्यपूर्वक सहते हैं तो हमें एक बड़ा प्रतिफल मिलेगा। बदलती परिस्थितियों और कठिन समय से अल्लाह हमारे विश्वास के स्तर का परीक्षा लेता है और धैर्य रखने की हमारी क्षमता का पता लगाता है और हमारे कुछ पापों को मिटा देता है। अल्लाह प्यार करने वाला और ज्ञानी है और हम खुद को जितना जानते हैं उससे बेहतर अल्लाह हमे जानता है। हमे उनकी दया के बिना स्वर्ग नही मिल सकता और उनकी दया इस जीवन की परीक्षाओं और परीक्षणों में प्रकट होती है। अल्लाह हमें हमेशा रहने वाले जीवन का इनाम देना चाहता है और अगर दर्द और पीड़ा स्वर्ग प्राप्त करने में मदद कर सकती है, तो परीक्षा और समस्या एक आशीर्वाद हैं। ये नए धर्मांतरित लोगों के लिए अलग नही हैं, न ही ये अल्लाह की प्रसन्नता या नाराजगी का पैमाना है। अल्लाह जानता है कि प्रत्येक व्यक्ति कितना सह सकता है और प्रत्येक व्यक्ति को स्वर्ग के इनाम की संभावना को बढ़ाने के लिए क्या चाहिए।

ऐसी कई हदीसें हैं जो उन कारणों की व्याख्या करती हैं कि हम परीक्षणों और समस्याओं से पीड़ित क्यों हैं। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "यदि ईश्वर किसी का भला करना चाहता है, तो वह उसकी परीक्षा लेता है।"[2] उन्होंने यह भी कहा, "मनुष्य की परीक्षा उसकी धर्म के प्रति आस्था के अनुसार होती है, और ये परीक्षाएं ईश्वर के दास को तब तक प्रभावित करेंगी, जब तक कि पृथ्वी पर उसके सभी पाप खत्म न हो जाये।"[3]

हमें जीवन के परीक्षणों और समस्याओं और साथ ही खुशी और विजियोल्लास को यह सोचकर स्वीकार करना चाहिए कि हम जीवित हैं। उच्चतम खुशी से लेकर निम्नतम दुख तक, मानवीय जीवन अल्लाह का एक आशीर्वाद है जिसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए विशिष्ट रूप से बनाया गया है। आने वाले पाठ में हम पैगंबरो और सहाबा से प्रेरणा लेंगे और सीखेंगे कि उन्होंने परीक्षा और समस्या का सामना कैसे किया।

फुटनोट:

[1]	???? ??-??????
[2]	इबदि।
[3]	इब्न माज़ा

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/148

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।